B.A. (Part-III) EXAMINATION, 2018

(10+2+3 Pattern) (Faculty of Arts)

(Three-year Scheme of 10+2+3 Pattern)

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A./ B.Sc. (Hons.) Part-III]

संस्कृत साहित्य

प्रश्न पत्र-II (अ) (काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध)

सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें । लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही देवें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अत: परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

प्रश्न-पत्र के दो भाग होंगे जिसमें अ भाग लघूत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। ब भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। अ भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे जिनका पूर्णांक 30 अंकों का होगा। इनके समाधान के लिए एक घण्टे का समय निर्धारित है। ब भाग के पूर्णांक 70 हैं तथा काल अवधि दो घण्टे निर्धारित है।

Part-I Short Answer

Maximum Marks : 30

1. (i) रघुवंश महाकाव्य के रचयिता कौन हैं? उसमें कितने सर्ग हैं?

   (ii) इन्दुमति स्वयंवर का वर्णन रघुवंश महाकाव्य के कौन से सर्ग में हुआ है?

   (iii) सुनन्दा सभा में इन्दुमति को सर्वप्रथम किस राजा के सम्मुख लेकर गई?

   (iv) 'कल्पद्रुमाणामिव पारिजात:' शब्द किस राजा के लिये कहा गया है? क्यों?

   (v) विदुरनीति के अनुसार मनुष्य को कल्याण करने वाली अच्छी-बुरी बात को स्पष्ट रूप से किसे बता देना चाहिए?

   (vi) विदुरनीति के अनुसार धर्म के अष्टविध मार्ग बताइये।

   (vii) विदुरनीति के अनुसार रात्रि में जागने का रोग किसे सताता है?

   (viii) विदुरनीति के अनुसार धर्म और विद्या की रक्षा किससे होती है?

   (ix) 'धर्मज्ञ: सत्यसन्धश्च प्रजानां च हितं रत:' में प्रयुक्त छन्द का नाम बताइये तथा धर्मज्ञ किसे कहा गया है?

   (x) भगवान् श्रीराम किस कोटि के नायक हैं?

   (xi) श्री राम की गम्भीरता एवं धैर्य की तुलना किससे की गई है?

(xii) 'कालाग्नि सदृश: क्रोधे क्षमया पृथिवीसम' यहाँ कालाग्नि सदृश तथा पृथिवीसम विशेषण किसके लिये प्रयुक्त हुये हैं?

(xiii) 'इन्द्र विजयम्' के अनुसार भारतवर्ष के तीन अन्य नाम बताइये।

(xiv) अग्नि ही भरत है, सिद्ध कीजिये।

(xv) 'इन्द्रविजयम्' के अनुसार किस ग्रन्थ में सबसे पहले पूर्वी भारत के लिये 'हिन्द' शब्द का प्रयोग किया गया था? 15×2=30

Part-II Descriptive

Maximum Marks : 70

2. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

नेत्रव्रजा: पौरजनस्य तस्मिन्विहाय सर्वान्नृपतीन्निपेतु:।
मदोत्कटे रेचित पुष्पवृक्षा गन्धद्विपेवन्य इव द्विरेफा:।। 6

अथवा

सञ्चारिणी दीपशिखेव रात्रौ यं यं व्यतीयाय पतिवंरा सा।
नरेन्द्रभार्गाट्ट इन प्रपेदे विवर्ण भावं स स भूमिपाल:।।

3. 'उपमा' कालिदासस्य' उक्ति को रघुवंश के छठे सर्ग के आधार पर चरितार्थ कीजिये। 6

अथवा

'इन्दुमति स्वयंवर में उपस्थित 'अज' के सौन्दर्य का प्रतिपादन कीजिये। 6

4. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये– 6

पुष्पं पुष्पं विचिन्वीत, मूलच्छेदं न कारयेत्।
मालाकार इवारामे, न यथाङ्गारकारक:।।

अथवा

न सा सभा यत्र न सन्ति वृद्धा, न ते वृद्धा ये न वदन्ति धर्मम्।
नासौ धर्मो यत्र न सत्यमस्ति, न तत् सत्यं यच्छलेनाभ्युपेतम्।।

5. विदुरनीति के अनुसार 'विरोचन-सुधन्वा' संवाद का संक्षेप में निरूपण कीजिये। 6

अथवा

विदुरनीति के आधार पर राजधर्म पर प्रकाश डालिये।

6. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये। 6

सर्वलोकप्रिय: साधुरदीनात्मा विचरक्षण:।
सर्वदाभिगत: सद्भि: समुद्र इव सिन्धुभि:।।

अथवा

चित्रकूटं गते रामे पुत्रशोकातुरस्तथा।
राजा दशरथ: स्वर्गं जगाम विलपन् सुतम्।।

7. बालकाण्ड के प्रथम सर्ग की उपयोगिता पर निबन्ध लिखिये। 6

अथवा

रामायण के बालकाण्ड के अनुसार श्रीराम के गुणों का विवेचन कीजिये। 6

8. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

भरतस्यायं देशस्तस्माद् भारत इति प्रथितः।

भरतं त्वेतमने के स्मरन्ति पौराणिकाः सर्वे।। 6

अथवा

हिन्दुपदेन च हिन्दुस्तानपदेन च यदाहुरथतनाः।

भारतवर्षम् तत् खलु नामार्द्धस्यास्य जानीयात्।। 6

9. पण्डित मधुसूदन ओझा के अनुसार भारत के नामकरण का वैदिक मत क्या है? 6

अथवा

इन्द्र विजय के अनुसार नामधेय प्रसंग के वर्ण्य विषय का विवेचन कीजिये। 6

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिये:

(क) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।

(ख) सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम।

(ग) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्।

(घ) पर्यावरणम्।

(ब) भारतीय ज्योतिष, तिथि निर्णय एवं पंचांग परिचय

प्रश्न–पत्र के दो भाग होंगे जिसमें अ भाग बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) एवं लघूत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। ब भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। अ भाग के कुल 15 प्रश्न होंगे जिनका पूर्णांक 30 अंकों का होगा। इनके समाधान के लिए एक घण्टे का समय निर्धारित है। ब भाग के पूर्णांक 70 हैं तथा कालअवधि दो घण्टे निर्धारित है।

Part-A Short Answer

Maximum Marks : 30

1. मेष राशि का स्वामी ग्रह है–

(क) बुध (ख) मंगल

(ग) शनि (घ) गुरू

2. उच्च के बृहस्पति की राशि होती है–

(क) मेष। (ख) वृषभ।

(ग) मिथुन (घ) कर्क

3. विंशोत्तरी दशा में आयु प्रमाण माना है–

(क) 120 वर्ष। (ख) 20 वर्ष

(ग) 100 वर्ष (घ) 1200 वर्ष

4. पूर्णा तिथि कही जाती है

(क) 1, 6, 11 (ख) 2,7,12

(ग) 4, 9, 14 (घ) 5, 10, 15

5. कवर्ग की संज्ञा होती है

(क) गरुड़ (ख) विडाल

(ग) मूषक (घ) श्वान

6. रोहिणीसंज्ञक बालिका कही जाती है–

(क) 8 वर्षा (ख) 10 वर्षा

(ग) 9 वर्षा (घ) 18 वर्षा

7. कंटक संज्ञा मानी गई है–

(क) केन्द्र की (ख) त्रिकोण की

(ग) पणफर की (घ) आपोक्लिम की

8. होली का त्यौहार मनाया जाता है–

(क) आषाढ़ पूर्णिमा को (ख) फाल्गुन पूर्णिमा को

(ग) श्रावण पूर्णिमा को (घ) कार्तिक पूर्णिमा को

9. सूर्य रेखा पर द्वीप चिन्ह होता है–

(क) सफलतासूचक (ख) असफलतासूचक

(ग) प्रतिष्ठासूचक (घ) प्रसिद्धिसूचक

10. उत्तरायण का प्रारंभ होता है–

(क) मेष संक्रान्ति से (ख) कर्क संक्रान्ति से

(ग) मकर संक्रान्ति से (घ) मीन संक्रान्ति से

11. पंचक किसे कहते हैं? नक्षत्रों के नाम लिखें।

12. उग्र अथवा क्रूरसंज्ञक नक्षत्र एवं दिवस लिखें।

13. वर्षेश का मान कैसे किया जाता है?

14. मीन राशि में विहित नक्षत्र एवं वर्ण लिखें।

15. विवाह में बाधक दस दोषों के नाम लिखें।

Part-B Descriptive

Maximum Marks : 70

1. विवाहकालिक ग्रहबल का विवरण देते हुए इसकी आवश्यकता एवं वैज्ञानिकता सहित विवेचन करें। 10

अथवा

वैवाहिक गुणमिलान पर निबन्ध लिखें।

2. वैवाहिक दोषों का विवरण देते हुए निबन्ध लिखें। 10

अथवा

यात्रामुहूर्त हेतु विचारणीय बिन्दुओं का उल्लेख करते हुए निबन्ध लिखें।

3. ग्रहों की पञ्चधा मैत्री पर निबन्ध लिखिए। 16

अथवा

ग्रहों के उच्च नीच विभाग का तालिका सहित विवरण देवें।

4. करतल की प्रमुख 7 रेखाओं का विवेचन करें। 16

अथवा

करतल का रेखाचित्र बनाकर ग्रह क्षेत्रों का अंकन करते हुए विवरण देवें।

5. सूर्यराशिवश ऋतुनिर्माण का विवेचन करें। 9

अथवा

तिथिनिर्णय पर निबन्ध लिखें।

6. अधिकमास एवं क्षयमास का विवेचन करें। 9

अथवा

पंचांग से आप क्या समझते हैं? विवरणात्मक टिप्पणी देवें। 9

OOO